विद्या भवन ,बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

वर्ग-नवम्

विषय-हिन्दी

||अध्ययन-सामग्री ||

उपसर्ग एवं प्रत्यय दी गई सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए । वह अपनी कांपी में लिख कर रखें ।

उपसर्ग : वे शब्दांश जो किसी शब्द के आगे लगकर एक नए शब्द का निर्माण करता है तथा उसके अर्थ मे परिवर्तन करता है, उन्हे उपसर्ग कहते है।

जैसे :-
आ + हार = आहार
वि + हार = विहार
आ + काश = आकाश
आ + कार = आकार
वि + चार = विचार

उपसर्गो के भेद :-

निम्नलिखित उपसर्गो के तीन भेद है ।

1. तत्सम उपसर्ग

2. तद्भव उपसर्ग

3. आगत उपसर्ग

1. तत्सम उपसर्ग : वह उपसर्ग जो संस्कृत से हिंदी मे लाए गए है, उन्हे तत्सम उपसर्ग कहते है।

जैसे :-

जैसे :-

उपसर्ग	अर्थ	उदाहरण
नि	नीचे, अभाव	निवारण
उप	समीप	उपकार
प्रति	विरुद्ध	प्रतिक्रिया
सु	अच्छा	सुगम, सुपुत्र
आ	तक, भर	आजीवन

2. तद्भव उपसर्ग : यह उपसर्ग पूरी तरह से संस्कृत के उपसर्ग से ही आए है, इन्हे ही हिंदी उपसर्ग भी कहते है।
जैसे :-

उपसर्ग	अर्थ	उदहारण
अ	अभाव	अगर, अकास
अन	आधा	अधपका, अधमरा
कु	बुक	कुपुत्र
दु	हीन, अधिक	दुबला, दुसर
पर	बाद का	परसर्ग, परदेश

3. आगत उपसर्ग : जो उपसर्ग विदेशी भाषाओं से हिंदी मे आ गए है, उन्हे आगत उपसर्ग कहते है।
जैसे :-

उपसर्ग	अर्थ	उदहारण
खुश	अच्छा	खुशबू, खुशहाल
गैर	बिना	गैरहाजिरी, गैरकानूनी
कम	थोड़ा	कमज़ोर, कमसिन
अल	निश्चित	अलबेला, अलगाव
बद	बुरा	बदबू, बदनाम

प्रत्यय : जो शब्दांश शब्द के अंत मे जुड़कर नए शब्द बनाते है, उन्हे प्रत्यय कहते है।
जैसे :- अक + चल = चलाक, गायक
आपा + पूज = पुजापा
ई + खेत = खेती, नरमी

प्रत्यय के भेद :-
प्रत्यय के निम्नलिखित दो भेद है।
1. **कृत् प्रत्यय**
2. **तद्धित प्रत्यय**